हिंदुस्तान, वाराणसी

दिनांक: 27.02.2021

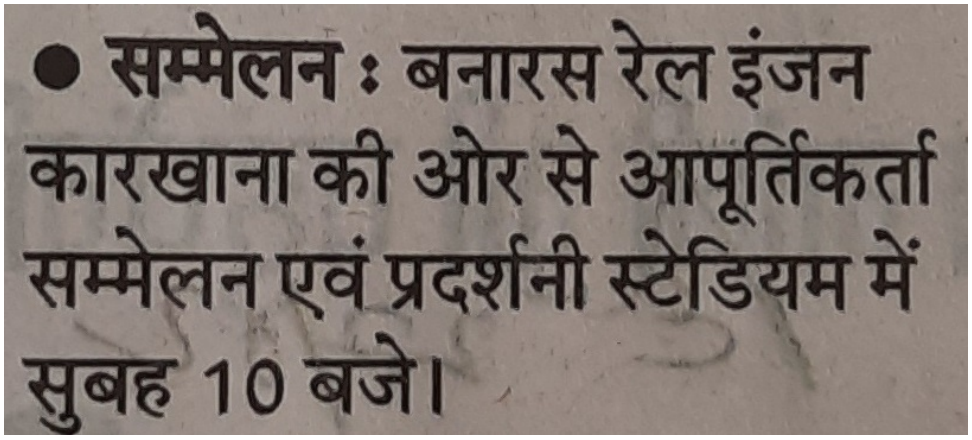

● सम्मेलन : बनारस रेल इंजन कारखाना की ओर से आपूर्तिकर्ता सम्मेलन एवं प्रदर्शनी स्टेडियम में सुबह 10 बजे।

राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी

दिनांक: 27.02.2021

बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में प्रथम बार हुआ रिवीजन कूल्हा प्रत्यारोपण शल्य

रिवीजन कूल्हे के सफल शल्य प्रत्यारोपण के उपरांत समित्रा देवी। फोटो : एसएनबी

वाराणसी (एसएनबी)। बनारस रेल कारखाना केंद्रीय चिकित्सालय में पहली बार रिवीजन कुल्हा का सफल शल्य प्रत्यारोपण किया गया। 72 वर्षीय सुमित्रा देवी रेलवे विभाग के स्टाफ का 2003 में कुल्हा बदल गया था जो 17 वर्ष बाद अब दर्द देने लगा था। ढीला हो जाने के कारण और हड्डी नरम वाले ऐसे केस को पूर्व में रेलवे ऐसे केस दिल्ली, कोलकाता या मुम्बई के रेलवे हॉस्पिटल में भेजता रहा, लेकिन मुख्यचिकित्साधिकारी डा. सुजित मल्लिक के आग्रह पर इसकी जटिल रिवीजन शल्य बनारस रेल कारखाना के हॉस्पिटल में सम्पन्न कराई गई। अब मरीज पालथी मरना जमीन पर आसानी से बैठ सकेगा।

ऑर्थोपेडिक सर्जन डा. कर्म राज सिंह के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने इस जटिल ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। ऑपरेशन में सहायक ऑर्थो रेलवे सर्जन डा. अमित गुप्ता, ओटी सिस्टर उषा व संध्या एवं अनेस्थेसिया के इंचार्ज डा. विशाल मिश्रा के सहयोग से मरीज का सुरक्षित ऑपरेशन हुआ।

जन संदेश टाइम्स, वाराणसी

दिनांक: 27.02.2021

बीएलडब्ल्यू में पहली बार कुल्हा प्रत्यारोपण

वाराणसी। कुल्हा प्रत्यारोपण के मामले बीएलडब्ल्यू ने भी अपना ना शामिल कर लिया है। शुक्रवार को सफल प्रत्यारोपण कर लोगों को संदेश सफल इलाज का संदेश दिया। जानकारी के अनुसार 72वर्षीय सुमित्रा देवी रेलवे विभाग में कार्यरत हैं 2003 में कुल्हा बदल गया था। 17 वर्ष बाद जब दर्द देने लगा तो उन्हें कोलकाता व मुम्बई की राह देखना पड़ा लेकिन बनारस रेलवे कारखान के मुख्यचिकित्साधिकारी डॉ सुजित मल्लिक के आग्रह पर इसकी जटिल रिवीजन शल्य बनारास रेलवे कारखाना के हॉस्पिटल में सम्पन्न कराई गई। विश्व के आधुनिकतम कृत्रिम कुल्हा लगाया गया जो जीवन पर्यंत चलेगा ,पालथी मरना ,जमीन पर बैठना बरकरार रखेगा। सुमित्रा देवी और उनके परिवार ने इस अत्याधुनिक शल्य हेतु हॉस्पिटल प्रबन्धन व मुख्य चिकित्साअधिकारी द्वय डॉ सुजीत मल्लिक व डॉ सुनील कुमार को व्यक्तिगत आभार प्रगट किया । जीएम अंजली गोयल ने इस शल्य हेतु शल्य टीम और नर्सिंग स्टाफ को बधाई दी और स्वास्थ्य सुविधा के आधुनिकरण हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अमर उजाला, वाराणसी

दिनांक: 27.02.2021

बरेका में बुजुर्ग महिला का सफल कूल्हा प्रत्यारोपण

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना के केंद्रीय चिकित्सालय में 72 वर्षीय सुमित्रा देवी का दोबारा कूल्हा प्रत्यारोपण सफलता पूर्वक हुआ। वर्ष 2003 में कूल्हा प्रत्यारोपण हुआ था लेकिन 17 वर्ष बाद परेशानी बढ़ी तो मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुजीत मल्लिक के आग्रह पर कृत्रिम कूल्हा लगाया गया।

कूल्हा प्रत्यारोपण के 24 घंटे बाद बुजुर्ग सुमित्रा देवी चलने योग्य हो गईं। प्रत्यारोपण टीम में मुख्य ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ कर्मराज सिंह, सहायक ऑर्थो रेलवे सर्जन डॉ अमित गुप्ता, उषा व संध्या शामिल रहीं। सुमित्रा देवी और उनके परिवार ने इस अत्याधुनिक शल्य के लिए धन्यवाद दिया। बरेका जीएम अंजली गोयल ने सफल प्रत्यारोपण पर टीम को बधाई दी। ब्यूरो